

१२॥ १२॥ १३॥ १४॥ १५॥

प्राजापत्यपूर्वसदीजेशान्येक

गणितकिजे ॥ जिकेडगुरुतिकेडे

॥ १७॥ ज्योतिष ॥

भजनीगर्भसंभूते

॥ कुमारोब्रह्म

नौवसा ॥ ११॥

स  
मनासपुसता  
हीयेकरसाऊस  
चीकथा॥१॥ये  
करायेछपासाग  
दंरायदुवीरायेसर्वअभ्य  
श्यानिजमंदीराधरधराविस्व  
दंरा॥येगोपिजनसादरागुणव  
कीमलाश्रीवरा॥२॥ ॥१॥  
नंमोदेवीमहादेवीशिवायेसतन  
नमःशुभ्रनीयताप्रणता

॥ श्रीसूर्याय ॥ २

श्रीगणेशाय नमः । अधप्रश्नः ॥ रामे  
 स्थाननाशच ॥ सीताय दुःखमेव च ॥  
 लक्ष्मणकार्यसिद्धिश्च ॥ सर्वलाभ  
 भीषणः ॥ २ ॥ मरणकुंभकर्णच ॥ रा  
 गंचकुलक्षया ॥ ३ ॥ अंगदातध्रुवं रा  
 सुग्रीवबंधुदर्शनं ॥ ४ ॥ सर्वसिद्धि  
 तुमाना ॥ दीर्घमायुष्यजाबुगान् ॥ ५ ॥  
 इद्रश्च नित्यकल्याण ॥ धूमकेतु  
 द्यये ॥ ६ ॥ नारदस्यात्कलहश्चे  
 भरथ सर्वसिद्धिदः ॥ ७ ॥ कैकईव  
 र्यनाशच ॥ लक्ष्मीसर्वसिद्धिदः ॥ ८

राम	कुंभ	दुःख	नारद	इति	श्रेष्ठ	अष्टम
सीता	रावण	जाबुव	मरण	अज्ञान	पुरुषा	चै
लक्ष्मण	अंग	उद्र	कैकई	तिसु	पारि	देव
वज्रि	सुरि	धूमके	सुसु	कोलु	काव	देव
वज्र	वज	तः	मि	नंतर	कल	श्रुति

प्रहाद नारद पराशरपुंडरीक व्यासा  
रीषशुकशौनकभीष्मदाक्ष्या ॥ रु  
गदार्जुनवसीष्ठबीभीषणादीन्मा  
वाभ्यं प्रभागवतान्स्मरामी ॥ १५  
अथथामावलीव्यसो हनुमाश्व  
भीषणो ॥ १६ ॥ परशुरामश्वसंसे  
चीरंजीवीनः ॥ १७ ॥ ककोठकस्य न  
स्यदमयंत्यानकस्यच ॥ १८ ॥ तुप  
राजत्रयीकीर्तनं कलिनाशनं  
कार्तवीर्यार्जुनो नाम राजा बाहो  
रस्यवान् ॥ तस्य स्मरणमात्रेण ग  
नहंचलस्यते ॥ १९ ॥ २० ॥ २१ ॥ २२ ॥  
नाहं मनुष्या न च देवयक्षो न ब्राह्मण  
क्षत्रियवैश्यशूद्रः ॥ न ब्रह्मचारी न ग  
वस्थो धिक्षुं न चाहं निजबोधिरुप  
भोजस्य भार्यामिदं विदुः कागी ॥ २३ ॥  
सुतंचंद्रनहेमपात्रं ॥ सोपानमार्गो  
करोति शंढुं ठं ठं ठं ठं ठं ठं ठं ठं ठं ठं ॥  
। पुण्यश्लोकौ न का राजा पुण्यश्लोके

अर्जुनफाल्गुनलिष्णु ॥ किरिटि  
तवाहनु ॥ विभ्रसविजयेकस ॥ स  
यसाविधनेजय ॥ १ ॥

सुलभं सर्वशास्त्राणि दुर्लभा भाव  
दना ॥ शिरो बहति पुष्पाणि गध  
नाति नाशिका ॥ ३ ॥ यमनः कफ  
नाशाय वातनाशाय मर्दनं ॥ ह्या  
नम्यपितनाशाय चरनाशाय लं  
नं ॥ २ ॥ वज्रये द्यातुकशूळंकुसि  
मासीज्वरं घृता ॥ नवाचच अ  
सारिनेत्ररोगी च मैथुनं ॥ ३ ॥

आर्याभयराज

। सोळासहस्रभोगिगोकुकिर्भ  
हमष्ठागोपिबाळति ॥ प्रतिमाप  
रिहजाणाभोगिति तैशाचगो  
। बाळति ॥ १ ॥ पाहापुष्पाकाकिव  
जळजाबुकपाज्यातरीहिहिनुष  
लकठधीसरीकितिलनलेगति  
सातमेघहिनपउ ॥ १ ॥ वेशास्त्रकि  
पाहाताराहाविधनबतरुबुधोर  
शिउदकआगितासाअबेकअमपा

पुष्पी शीरः ॥ पुण्य श्लोकाच्च वैदिकि पुण्यं  
श्लोको जे नार्दनाः ॥ १ ॥ बलि विभि  
गोभी ओ प्रहाये नारे दो धु वा षे  
न वै सु वा प्रो ता स्मरण पाप नाश ना  
नो ज नांत शत पदंगत्वा पश्चात् तत्  
उ भक्षणात् ॥ वाम भोगे च शयने  
यानां कि प्र यो ज नं ॥ १ ॥ ५५ ॥ ५५  
म म म म क्षरं ना स्ति ना स्ति मूल व  
र धं ॥ अ योग्यः पुरुषो ना स्ति यो ज  
म दु लभः ॥ यितं परिमित मधिक  
प ही ल सु र ष स्प व्या कु ली कुरु  
ही ना हु क मि व पी ना स्त न ज य न  
गः कु ली ना यः ॥ १ ॥ ५५ ॥ ५५  
र से जे जाले पुर्ण निवा ले ते नार्द  
आ ले फि रो नि या घ डि न य डि च  
ह त गो डी अ ख र आव डि ला ग  
डी या ॥ १ ॥ ७ ॥ ७ ॥ ७ ॥ ७  
र घा दु र्गेषु क सु मं ॥ व था निः स्प डि  
भा ॥ दु था निः श्र द्दी का स ती दु ध  
नः ॥ १ ॥ ७ ॥ ७ ॥ ७ ॥ ७

तिबहुधोरथ ॥ श्रीग. अभंग ॥

। कथे तवै सो नी सं सारा व्या गो छि ॥

। उाळ तो द्वि छि न को यथे ॥ १ ॥ चंच

। कुठीळ आ णि रे वा ड करी ॥ ते हि दु

। चारी न को यथे ॥ २ ॥ तु का ह्म ण भ

भा धिका च्या पाई ॥ दा व म ज र्द ई पा र

नि मू क ह र्द <sup>आयं</sup> सी के रु नि जो पे सा र वा

। वा जि रा या चा ॥ मा रा ष्ट र रि त्या

। तो ना हि वा जि रा या चा ॥ ३ ॥

। म लि नां त रा सु रि च्या म ध्ये शि त

। दे ख ता क पि ला कि व ल अ नु चि त

। सै जै शि कि ग थ वि ग णि क पि ला

शि धे श्व र दे वा स मं का क ण प ठि त रि

। सै स्थान ॥ ब्रा ह्म ण व स्ति स ब हू ज

। गु ल सु द्या ळ म न सै हू जे स्थान ॥ ३

श्लोक

। जोगाय हरि च मही मे ला ॥ तो अं स नि त नि

। म हि मे ला ॥ ल मि ग्रा सि य म के वि नू ज्ञा वि

। सु ति र्द ह न ज या सि स ज्ञा वि ॥ २ ॥ कि न नि

। ति पु ट व म वा हा ना य के त रि दु ज्ञा व म वा हा

। ता व रा ष्ठु थान भ वा चा ॥ हा न रा ध म ज्ञा

। वि भ वा चा ॥ २ ॥

दे

॥ श्रीपदवठा गारन ॥

श्रीगणेशाय नमः ॥ विठ्ठलभक्तानि मारुति ॥  
 पद्मे द्विविधेषु लि ॥ वैरिगा जिलातवक ॥  
 लब्धोत्तुर शिला ॥ अद्भुतदाविला लवक ॥  
 १ ॥ पठरपुरवासिनी वीर्यो वाई यई वासाव  
 से आनी कीतीनि वीठ वाई यई वी ॥ ५ ॥  
 वभव जळ हा पुरदा टु सठ्ठी का प्र न द  
 का हि के त्या हा मालो रे सक टप डल मार  
 जि सहा द्या कर ला क रुकाई पठर पुर वा  
 नि गा रा ग ल रू न श्री न गा जी ती ॥ ७ ॥  
 विलु ज भ ग व ला ॥ के ल धा व ण अ नं त  
 र शि ले नी ज भ क्ता ॥ प द व पु ध र क्ता  
 स द ई प प ठ र पुर वा स नि ॥ ३ ॥ अ ग क  
 वा भ क्ता भ क्त भ क्ता ॥ श र ण गि त त ज  
 का द्य कि ता आ नी दे र शि ल्या ॥ वा ठ धि  
 कि लि क्ता ॥ सु ख प दि दि ध र्का नि ज  
 ठाई ॥ प ठ र पुर वा स नि ॥ ४ ॥ लु क र  
 चे की र्त नि ॥ उ क्ता स सी नि त म नि ॥ ५ ॥  
 र शि ले नि दानि ॥ अ द्भु त तु क्षी क र णि  
 प ति त पा व न र त म्मा य ॥ प ठ पुर वा  
 करु णा आ ई कि नी या ग ई आ ती ॥ र  
 माई वा क्त ता ॥ ता री दे व ना धा आ  
 भा श र णा ग त तु म आ ती रू र्जि ता ठ

लि तव पारि।। पठरपुरवा सिपति  
। सुबदियरे वा सा व क च आ न द कि  
नी की ठा वारियरे सु म ६॥ सपु  
। ॥ ५९॥ ६०॥ ६१॥ ६२॥

5 ॥ श्रीगजाननपदम्

उं ह वा मा द व रा जा ॥ भेट विलष कर  
धी ॥ ४ ॥ उ ह वा श्री कृ ष्णे नि ॥ मो ह  
ये ले अंतः करण ॥ उ ह वा दिन निशि  
ग मे ॥ हा ते व डि घ डि की स्म र ग ॥  
ह वा मु रे ली ध रा च ॥ अ ठ व ति ह  
ई च र ण ॥ म उ ह वा ये श ता त  
ह रि द र्श णि ता तं दा ता ॥ आ स्मा त  
ज नि ता मा ता ॥ नि र्दा कि वि यो ग  
आ म्नी ॥ १ ॥ उ ह वा का हा हो ता ग  
मे रू स्वर दा ज वि मु र ली ॥ उ ह वा  
हु भा ग्या षि ॥ रा या रु पि अ नु सर  
उ ह वा न च म क षा रे ॥ स्नि हा ने कं क  
दा टे ॥ वि र हान हृ द य हि फा टे ॥  
भा क शि कि क रु णा षी ॥ २ ॥ उ  
ह वा अ क्र र पा हा ॥ क रा सा नि छ  
सा चा ॥ ३ ॥ उ ह वा न च म क षा रे ॥

॥ उानसदा ॥ ललास प्राप्ति जाना ॥ उद्व  
 ॥ वामाधवरुपा ॥ रतगोपिकाया वाया  
 ॥ उद्ववा वृजवनीतासि ॥ राकुनिगेल  
 ॥ वृजवाशि ॥ कुशलतिकुआराशि ॥  
 ॥ हरिसंगे निजपदसाधी ॥ ३ ॥ उद्ववा  
 ॥ तनुदाहितसंगवलीरुपकेवलमद  
 ॥ नु ॥ उद्ववास्वरुमेधाने ॥ दास्ववीजेल  
 ॥ वकरुने ॥ उद्ववा हरिस्वरु होशि  
 ॥ त्रिजांयावासुस्वसदन ॥ उद्ववेवो  
 ॥ धुनिगोपि ॥ लानित्यानिगुणर  
 ॥ पि ॥ घाडुरंगुणआलापि ॥ भक्त  
 ॥ भवशोगनबाधी ॥ ४ ॥ ६७ ॥ ६८

आर्या

राधे अंतःकरणिक्षणक्षणाहोतरि  
 तुझे स्मरण ॥ म नडे ज उले क पि य  
 स्तव सख एकदा न विस्मरण ॥ १ ॥  
 स्तन मड कहे पाहाता क माश्या दूट  
 यात जा कितो अग्नी ॥ तू दूर अ  
 लिगन दे शि ज रित रिश मेल हा  
 ग्नी ॥ २ ॥ अंम त पान करा व  
 र्श्या म निवह आह ॥ साधा ते क  
 परिते तु श्या अंध गेष्ट पल विअ  
 ॥ ३ ॥

भजे चंड बलकांड कोदुधारि ॥ भजे क  
जनतापसंतापहारि ॥ ५ ॥ पूत्रकांता  
सुतामित्रधनधान्यतामानिसितत्वतं  
सर्वमाझे ॥ मोहजाळिकाराळिठुथागुंत  
सेअंतकाळिवूझेकोणतूझे ॥ ६ ॥ भजे  
संततिसंपतिचावृथाभर्वसासर्व  
साहुनिगुडुनिनेति ॥ सेवटिनग्नवि  
आग्नेदेतितूलाटाकुनियेकत्वारि  
घयेति ॥ ७ ॥ भजे ॥ आंतिचासाय  
रारामराजारवराकारवरात्यासदा  
नठिविसिरंगलापूर्णआनंदविज  
निजनिसायुजसंपदा छत्रधधवि  
॥ ८ ॥ १३ ॥ ५  
॥ दाहायावलापसुनेयेकेकपाउल  
उतेरलत्याप्रमाणयेकेकघटिक  
दिवसचंढेकप्रतःकाळिपावले  
पुतरतादोनप्रहरपावेतोदिवस  
चंढेकसायंकाळिपावलेचढता  
दिवसदुतेरल ॥ १ ॥ ५ ॥ ७ ॥ ५

गणशायनमाः वापिकुपतति  
तेहूरिकथायात्रासमारधना॥  
थोद्यापनपितृमूंजियूननिब्रह्म  
णीवासना॥ देवागारपरोपकार  
रणेहोमाग्निसंस्थापनासत्यात्री  
नधार्मिकिच्ययकिजेज्याचिज  
नीवासना॥१॥५१॥॥५१॥५१॥५१॥

मंकप्रश्न॥ सत्यत्रयंकाकथयंतिव  
र्ग॥ अष्टद्वितीयेनचकार्यसिधि॥  
साश्वयेदाद्यटिकात्रयंच॥ नवे  
रुपचत्वरितेवदंति॥१॥

गदप्रभारसोपेता॥ एकविशद्वं  
नवेत॥ लब्धाकाद्यटिकाहेयारे  
साकापळमादिशेत्॥१॥

आलस्यगर्वितंनिद्रापरहस्तेषु  
त्रैरवकअल्पविद्याविरोधिच  
इतेआत्मद्यातका॥१॥

भावकोहृष्टसपस्यजामातोदुः  
नस्तथा॥ उपकारनजानातिपच  
मगिनीसुताः॥१॥

। चतुर्युगसहस्राणिदिनेमेकपिताम  
। ह ॥ पितामहसहस्राणिविष्टोर्धरि  
। कमेवच ॥ विष्टोमेकसहस्राणीप  
। तमेकमहेश्वर ॥ महेश्वरसहस्र  
। णिशक्तिरर्घ्यपलंभयत् ॥ १ ॥

उत्तमंकुशलंवीद्यामध्यमंरुषिजीव  
अधमंशिवकारुतिभारकामृतजीव  
जेठेरसतुवराहसुठेरसतुवाम  
अटयनारसिंहचसर्वतःपातुकेशव  
कुग्रामवासकुलहिनसेवा ॥ कुभो  
नेक्रोधमुखीचभार्या ॥ मुखस्यपुत्रो  
धवाचकन्या ॥ विनाग्नीनापचद्रु  
काया ॥ १ ॥ आर्या

। भवगदभयशमवायाहृतिहरि  
। लनिचराखावि ॥ पितनिवारणजे  
। शिसुलभवरिसुठशकराखावि

चंद्र ॥ ७

जन्मस्तकुरुतेपुष्टिदितियेअर्थन  
शनं ॥ श्रीतीयेराजसन्मानं ॥ चतु  
कस्तहप्रिया ॥ पचमेअर्थविभ्रयो  
हंचैवधनप्रदा ॥ सत्यमेपरमानंदे  
ष्टमेप्ररणध्रव ॥ नवमेकार्यनाशच  
दशमेलाभमेवच ॥ एकादशेसर्व  
पतिदादशेपुज्यचंद्रमा ३ ॥ ५ ॥ ५

मृत्युयोग

यजरविअनुराधातुराषाढचंद्र ॥ शतभि  
षिमविभ्रमेचंद्रजेचाश्विनिच ॥ मगशि  
गुरुवारसार्पदेवातिश्रुके ॥ शनिमपिरु  
बुहस्तेमृत्युयोगावदति ॥ १ ॥

अमृतसिद्धियोग

आदित्यहस्तेगुरुपुष्ययोगेबुधानुराध  
निरोहिनिच ॥ सोमेश्रवणभगुरेवदि  
भोमाश्विनिच्याअमृतसिद्धियोगार  
। यज्ञोपवीतेद्रुधारेश्रोतेस्मातेचक  
। णि ॥ तृतीयमुत्तरीयार्थेवद्याभोव  
। तुथका ॥ १ ॥ ५ ॥ ५ ॥ ५ ॥ ५ ॥ ५

४ श्रीगजानन

भजरघुनंदनस्पदनारुढजो॥ तोचि  
नदाघरिनंदनूद्याधितसेपेठपाशिचं  
दनु॥४॥ धर्मातिसरक्षिते॥ सुदाम  
वेपेहेभक्षिते॥ साधुजनआपशि  
ते॥ लावितक्षअशाचपदितुअक्षि  
शितो॥ पारभवसागरनेरते॥ तो  
लअनेकबंधनू॥५॥ सकटहरिद  
माजिचे॥ निर्मुळकरिमाजाजिचे  
इश्वरयेकामाजिचे॥ अशिसरगु  
ईसारिखिपतिप्रताकारुपानात  
रति॥ सुरनरकरितातिवंदनू॥ त  
धुतोअजुनाचिद्योशिचोरव्याचि  
ठारेओठि॥ झात्तागोपाळाचागा  
गाज्यासवेमउकिंघुडिशिहरितो  
पादपत्रआपुल्यानित्यकरितकर  
मकदनु॥६॥ कबिराचेशलवि  
उद्धरिलिदाशिजनि॥ सावत्याच  
सरक्षणि॥ नरशिमेहत्याचारु  
धनिरवा॥ तोहिनामेतरत्कार  
मेनाचदनादनु॥७॥ देवदासा  
साभक्ति॥ जेणगजसांडविलाज  
॥ नामेतरत्कारावाला॥

मध्यमद कवा ॥ लला ॥ गता ॥ उरु  
पाणि नजा हा के ॥ मन शि ज्वा ल  
प्रनु ॥ ५ ॥ ध व अठ ल प दि ठे वि  
विद राच्या कण्या जे विला ॥ भक्ता  
रा धि दे विला ॥ प्रल्हाद जे हा गि  
वरि ने विला ॥ त्या चि सा भा की ल  
मृ त्या च चु को उ नि हि द नू ॥ ६ ॥  
णि को अजा म ल तारि ला ॥ द  
कं थै र स क्श रि ॥ भक्ति मार्ग ऊ भ  
रि ला ॥ वि भि ष ण अं गि कारि  
र द्यु वि रा ॥ न म्र जाला तु ज लो  
ध ला ॥ भक्ति भा व अं द नू ॥ ७ ॥  
म दे व तु क या वा णि ॥ र क्षि रे च  
पा णि ॥ हा त्रे लो क या चा धा णि ॥  
दि अ न द वी धा र णा क ठि जे ॥  
र जे सा रे व ले स म रं ग णि ॥ र णि र  
क द नू ॥ ८ ॥ ९ ॥ १० ॥ ११ ॥ १२ ॥

पद ॥ सु ख क रा मु कुं द रा मा ॥ सु ह  
गो पा ल ॥ १३ ॥ ज ग दो धी रा ॥ १४ ॥ तु  
भ्या लो ॥ सु ॥ भि क् म यार ते सु ख  
न ॥ हा र त तु इ या प दि तु ल सी चा ह  
॥ सु ॥ १५ ॥ १६ ॥ १७ ॥ १८ ॥  
जे वि भु जंग मानु निक न का या गो फा

वाहाये गंगे तहात धुवि अलब  
 लि भलि भलाई कर मग मरा यम  
 दवाचे स आठो प्रहर ॥ हर हर हर  
 ॥ देवाकु नहे फंद वावगे विषया  
 चे तरिकाय मजा ॥ हरि नामादि  
 ला विधजा ॥ पठरि सका ति कि  
 आषाढि दुव रवायेत जा ॥ असा  
 रहा सो सारत जा ॥ तमांगुणाते  
 या विरजा ॥ रजसेवाचिकरिपु  
 जा ॥ क्षमा शांति मनि धरित जा  
 भगविवस्त्रं करि पोठ भर भिक्ष  
 प्रागु नघर घर घर ॥ यउ ॥ हर  
 ईश्वर भजनी निमग्न राहे विषय  
 वर वासनानको ॥ नामामृतमा  
 मूर पिको ॥ साहाणे वरि मैला गि  
 रिपे रिदेह्या शि यमयात नानुने  
 मगही तनू टिको नटिको ॥ सागि  
 तले शिको न शिको ॥ भव पाश  
 समुको नमुको ॥ भजनाकडे सुने

फंदिफांकडेवतुल्यां छेदिदुर स्ताडे  
 गनाकेबंदि ॥४॥ तुझेगेअत्रबले  
 नयनमारु ॥ निशामध्यमग्रव्यास्  
 शरु ॥ अंगिभरज्यानिचाबकरु ॥  
 भरा मध्य करि वेडे चारु ॥ गोडुबे  
 लणे जशिबंदि ॥५॥ १॥ भागरे  
 खिल्लाशिदिबरवा ॥ गळापाच  
 चाहारहिरवा ॥ इुकतचात्तलि  
 उभिजराठ रवा ॥ कोणकोणाश  
 थकरवा ॥ अशिफावत्येकधीस  
 दी ॥६॥ २॥ नयनजसेचकीर  
 रकावि ॥ भवयाकमाणकरक  
 वि ॥ ऐरिगिरिगागिगुरकावि ॥  
 गालोवरनथनिथूरकावि ॥ चि  
 तुरअष्टपैलुबाजिदि ॥७॥ ३॥ पु  
 स्थाग्चालण्याचा झठकारा ॥ ज  
 साञ्चवळवाचाफटकारा ॥ गैरिमा  
 णसाचा तिठकारा ॥ साळिमाडि  
 पिजारिठकाराबोलेचासधिमरु  
 खदि ॥ उदगाताअनंदफदि ॥८॥

श्री लावणि

निचमुस

देउमुरदेस्युरागुदेवसिपुदेवसिपु

सिपुदेवसिपुदेवसिपुदेवसिपुदेवसिपु

सिपुदेवसिपुदेवसिपुदेवसिपुदेवसिपु

सिपुदेवसिपुदेवसिपुदेवसिपुदेवसिपु

सिपुदेवसिपुदेवसिपुदेवसिपुदेवसिपु

सिपुदेवसिपुदेवसिपुदेवसिपुदेवसिपु

सिपुदेवसिपुदेवसिपुदेवसिपुदेवसिपु

सिपुदेवसिपुदेवसिपुदेवसिपुदेवसिपु

सिपुदेवसिपुदेवसिपुदेवसिपुदेवसिपु

सिपुदेवसिपुदेवसिपुदेवसिपुदेवसिपु

सिपुदेवसिपुदेवसिपुदेवसिपुदेवसिपु

सिपुदेवसिपुदेवसिपुदेवसिपुदेवसिपु

सिपुदेवसिपुदेवसिपुदेवसिपुदेवसिपु

सिपुदेवसिपुदेवसिपुदेवसिपुदेवसिपु

भाकडकथा ॥ शो० ॥ १२ ॥ जो  
 प्रस्मरणि होइ चारु कार करभ  
 अश्वत मज्जना चोदिकार या क  
 मासन न्हावेचुकाररु रिश्रु  
 नाविषई देरुकार करिते आ  
 यथाचा अकार यागो छिच  
 नसावानकार कोहिनलगच  
 कार पूरुकार ककठामध्ये ना  
 मृत शीकर सापडल्यासन  
 कीजेधिकारहाति आलायव  
 डाअधिकाररु रिहरिरु रिप  
 डित जाडकार तोश्रगवान  
 रिळ अगिकार सागितलक  
 रि याचा अकार नहितरव  
 जाडल येकार सेकमोचिह  
 शकर फोड अलंद करिहे  
 कार तुज अपणडुर करिश्  
 तेथा ॥ शो० ॥ शा ॥ १२ ॥

॥ विचारा ॥ मासा ॥ २ ॥ मृगाप  
॥ टिगला शिरमरा जाषो ल स्तिप  
॥ आनेनेलित्या विभाजा ॥ हनु  
॥ लादी गेले सासिकाजा ॥ तस  
॥ अवरिउपकार हा इत्त जागव  
॥ साग जास्त दा ॥ मा ॥ ३ ॥ उ  
॥ घालुनियो शी घु ल्या मिथो ल  
॥ उभयतां आनंद युक्त दा पे जा  
॥ अक्षईस्नेहब्धी मा जि बु डाले ॥  
॥ दि आनंद चक उर्वे छंद फ  
॥ प्रेमया लो ॥ मा सा ॥ ४ ॥  
॥ शाय करीर मना ॥ हरि भजना  
॥ ग आवय हथा ॥ ५ ॥ हरि भ जे नि  
॥ जोठर ला ताय मा जि कडे न धर  
॥ भव शी घु याला व उतर को वि  
॥ बी मिठी ई चर ल हृ दयो व रि ह  
॥ सं चर ला म ग तो त्या व्या स च  
॥ रू ग प म ड तां पा सू न निर ला जो  
॥ हरि नाथान वि सर रे ला उ ते म ज



एत र्वा जना ॥ यना आवेते र सा  
रि ॥ १ ॥ ५ ॥ ७ ॥ ७ ॥ ७ ॥ ७ ॥ ७ ॥ ७ ॥

। नखाय र्खी र ख का चि । विडुर  
। हि जे विका असे चिकण्या ॥ आ  
। उति च्या सु पा मा वर ज्या द ग य  
। जु न्या न व्या चिकण्या ॥ १ ॥ झा  
। भोजन आ लठे कर दि ध न्या  
। ठ क्या बह साल सारि ले फुर के  
। उर के सवी मणु नि आ शन परि ल  
। ठ चा टण नुर के ॥ १ ॥ ७ ॥ ७ ॥ ७ ॥

। मा झ्या के ठा वि आण या स पा  
। ५ ॥ मा झ्या मे न व्या पो प ठा तु ये  
। किति अ भ्यु ला गिया तु पे  
। वा ट पा हा ता हे ने न भा ग ल र ॥  
। जो गिण हो ई ने ये ई न र वा ई न र  
। उ पा ला ॥ मो झा ॥ १ ॥ जे शि द  
। ये सी त्या गि लि न का ने ॥ को थ  
। शा वर ध रि ये ल जे का ने ॥ म न  
। के ला शो क आ व का ने ॥ प्र र  
। म्कान ग्कान प्राण शान दान

। न सुको ॥ धन जाला म तिक  
। विसोधु यमकांपंत थर थर थ  
। यउ ॥ हर ॥ ३ ॥ सो दे शिक स्त  
। टिला व तिल या चे ना दि न ल  
। वि ॥ ईश्वर भ जे नि जा गा वे ॥ क  
। क्रोध मर मर र लो म मा हो स  
। जे ना शि सा गा वे ॥ थ ठ ल वि  
। गा गा वे ॥ अ सार ति तु क ना ग  
। सार अ से ल ते घ्या वे ॥ मो मो  
। दा शि जा वे सर सर सर ॥ ये उ  
। हर ॥ ३ ॥ भा व ध रु नि ह रि ठा  
। ण शि ल त रि चु के ल च वे ये रि  
। च कर ॥ ईश्वर पो ई हा णि ट कर  
। र दे हे हो ई ल प वि न थु त ला जा  
। शे लो ज सा स कर ॥ दु स रा ध  
। का हि न कर ॥ ध र ब ल क ठ दे व  
। शि खे र ॥ या म ध्ये रा हि ल तु अ  
। कर ॥ अ न त क टि स्त्र णे वा लि  
। ठ लो स गर कि ग रे ग र ग र ॥ य  
। ज ब ल ग प ठ मो प्रा ण ते रा ॥ न ब ल  
। र नि ग म म यो ॥ ३ ॥ न न न र नि य







